SESREC Activity Report

Activity : National level online Workshop on Social Entrepreneurship –Business Plan preparation

Date : 09 Jan 2021

Organized by: Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh in collaboration with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Ministry of Education, GOI.

Convenor: Dr.Nisha Bhargava

Coordinators: Dr. Suman Mahajan, Dr. Vandana Sharma, Dr.Sandeep Kaur

Resource person: Mr.Natraj Gudla – from Samskruti Foundation

Student participation: Online activity; 100 Students participated

Context and Objectives:

- To imbibe the concept of social Entrepreurship, its role, need and significance among students and staff so as to encourage the concept of Social Entrepreneurship essential for carrying the message and motive behind.
- Gain clarity on the documentation of SOCIAL ENTREPRENUERSHIP AND COMMUNITY ENGAGEMENT CELL Activities.

The Practice:

A National level online workshop on "Social Entrepreneurship- Business Plan Preparation" was held in collaboration with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education Department of Higher Education , GOI on 09 Jan 2021. The workshop was collectively attended by a total of 100 students and faculty members of Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh. The primary objective of the workshop was to train the students on key aspects of social entrepreneurship while promoting Swachhta and community engagement related initiatives. The resource person was Mr.Natraj Gudla – from Samskruti Foundation". He focused on conveying the main objective of this action plan to give them clarity on the importance and responsibilities involved in social entrepreneurship based ventures. He interacted with the young minds and enlightened them with the key steps involved in building an innovative idea and how to develop an effective business plan for successful execution of the idea.

Evidence of Success:

The students were actively engaged in the workshop and responded well to the learning. The students will be further trained on these grounds and shall be making their own business development plans (initially as draft plans).Also, more batches of students of the college will be subsequently trained in the area of "**Social Entrepreurship related themes**" making them ready for participating in the final contest.

Feedback Shared by Participants:

1) The workshop was useful and well presented. It gave us knowledge about the role and importance of being a social entrepreneur.
2) The workshop was useful for gaining idea how to choose an idea and execute it for running an enterprise. It was interactive session and full of information.
3) The workshop was a useful one and we learned about entrepreneurship. The speaker acquainted us about the need for running your own business and serving the needs of society. We wish to have more such workshops in near future.

Supporting Brochure :

Press Coverage and Pics:

एमसीएम सामाजिक उद्यमिता पर कार्यशाला आयोजित

ह्यूमन इंडिया/विनोद कुमार

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सौजन्य से सोशल एंटरप्रिन्योरशिप : बिजनेस प्लान प्रिपरेशन पर एक राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। सम्सकृति फाउंडेशन के श्री नटराज गुडला ने इस विचारोत्तेजक कार्यशाला का संचालन किया। इस कार्यशाला में 200 से अधिक छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। अपने उद्घाटन सम्बोधन में कार्यशाला की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कहा कि भारत जो सभी सभ्यताओं की जननी माना जाता है, ईस्ट इंडिया कंपनी तथा उसके बाद ब्रिटिश शासन के उपरांत भारत विभिन्न आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक रूप से असंगठित ढांचे में

परिणत हो गया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति फिर से हमारी शानदार विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयासरत है, और एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विचार को ध्यान में रखते हुए, हम अपने युवाओं को समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में निरंतर प्रयत्नरत हैं।

अपने सम्बोधन में, श्री नटराज गुडला ने समाज में रचनात्मक योगदान के संदर्भ में सामाजिक उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रोजगार और राजस्व के साथ साथ सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर जोर दिया। सामाजिक उद्यमों के प्रासंगिक उदाहरणों के साथ जिसमे की अपशिष्ट को भी नवीन रूप देकर पुन: उपयोग हेतु बनाया जाता है, श्री गुडला ने प्रतिभागियों को अपनी समृद्ध संस्कृति के प्रति जागरूक करवाया जो उपयोग के उपरांत उसे फेंकने में विश्वास नहीं करती बल्कि उसे पुन: उपयोग के लिए तैयार करती है। विशेषज्ञ ने कहा की व्यक्तिगत प्रयास भी इस दिशा में एक बड़ा योगदान दे सकते हैं। श्री गुडला ने प्रतिभागियों को सफल सामाजिक उद्यमी होने का मन्त्र फॉर एस - सिंपल आइडिया, सिंपल सकिल्स, सोशल एंगल एन्ड स्माल स्टेप्स भी साझा किया। सत्र के उपरांत विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नो का समाधान भी दिया।

विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करेगी नई शिक्षा नीति : डॉ. भार्गव

एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वुमन-36 में सामाजिक उद्यमिता पर कार्यशाला, 200 छात्राओं को दी सामाजिक उद्यमिता की जानकारी

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। एमसीएम डीएवी कॉलेज फार वुमन-36 ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद हैदराबाद के सहयोग से सामाजिक उद्यमिता पर शनिवार को कार्यशाला आयोजित की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. निशा भार्गव ने कहा कि भारत को सभी सभ्यताओं की जननी माना जाता है। ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश शासन के बाद भारत विभिन्न आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से असंगठित ढांचे में परिवर्तित हो गया। नई शिक्षा नीति फिर से हमारी शानदार विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयासरत है। संस्कृति फाउंडेशन के सदस्य नटराज गुडला ने समाज में रचनात्मक योगदान के संदर्भ में सामाजिक उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रोजगार और राजस्व के साथ सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर जोर दिया।

सामाजिक उद्यमिता कार्यशाला में हिस्सा लेतीं एमसीएम की छात्राएं।

उन्होंने सामाजिक उद्यमों का उदाहरण देते हुए बताया कि अपशिष्ट को भी नवीन रूप देकर पुनः उपयोग के लिए बनाया जा सकता है। गुडला ने प्रतिभागियों को किसी भी वस्तु को उपयोग के उपरांत उसे फेंकने की बजाय उसका पुनः उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का संचालन नटराज गुडला ने किया जबकि इसमें 200 से ज्यादा छात्राओं ने हिस्सा लिया।

एनएसएस स्वयंसेवकों को नियमित रूप से कॉलेज आने के निर्देश

चंडीगढ़। सेक्टर- 42 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स ने एनएसएस स्वयंसेवकों को अब नियमित रूप से कॉलेज आने के निर्देश दिए हैं। स्वयंसेवकों को ऑफलाइन गतिविधियों में हिस्सा लेने और सामाजिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। कॉलेज की एनएसएस इकाई की तरफ से शनिवार को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करवाया गया।

एनएसएस प्रभारी मेहरचंद ने बताया कि शनिवार को लगभग नौ माह बाद एनएसएस टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात हुई है। कॉलेज में 8 एनएसएस इकाई कार्यरत हैं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की तरफ से गोद लिए हुए गांवों के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों को रूपरेखा तैयार आगामी दिनों में उन्हें सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य डॉ. निशा अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को समाज के हित के लिए कार्य करने के लिए प्रेरणा दी। व्यूरो

नई शिक्षा नीति हमारी विरासत और संस्कृति को करेगी पुनर्जीवित: निशा

एमसीएम सामाजिक उद्यमिता पर कार्यशाला का आयोजन

देवभूमि मिरर/चंडीगढ़

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सौजन्य से 'सोशल एंटरप्रिन्योरशिप: बिजनेस प्लान प्रिपरेशन' पर एक राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। सम्सकृति फाउंडेशन के नटराज गुडला ने इस विचारोत्तेजक कार्यशाला का संचालन किया। इस कार्यशाला में 200 से अधिक छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। अपने उद्घाटन संबोधन में कार्यशाला की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कहा कि भारत जो सभी सभ्यताओं की जननी माना जाता है, ईस्ट इंडिया कंपनी तथा उसके बाद ब्रिटिश शासन के उपरांत भारत विभिन्न आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक रूप से असंगठित ढांचे में परिणत हो गया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति फिर से हमारी शानदार विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयासरत है और एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विचार को ध्यान में रखते हुए, हम अपने युवाओं को समाज, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में निरंतर प्रयत्नरत हैं। अपने संबोधन में नटराज गुडला ने समाज में रचनात्मक योगदान के संदर्भ में सामाजिक उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रोजगार और राजस्व के साथ साथ सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर जोर दिया। सामाजिक उद्यमों के प्रासंगिक उदाहरणों के साथ जिसमे की अपशिष्ट को भी नवीन रूप देकर पुन: उपयोग हेतु बनाया जाता है, गुडला ने प्रतिभागियों को अपनी समृद्ध संस्कृति के प्रति जागरूक करवाया, जो उपयोग के उपरांत उसे फेंकने में विश्वास नहीं करती बल्कि उसे पुन: उपयोग के लिए तैयार करती है। विशेषज्ञ ने कहा की व्यक्तिगत प्रयास भी इस दिशा में एक बड़ा योगदान दे सकते हैं। गुडला ने प्रतिभागियों को सफल सामाजिक उद्यमी होने का मंत्र 'फॉर एस-सिंपल आइडिया, सिंपल स्किल्स, सोशल एंगल एन्ड स्माल स्टेप्स' भी साझा किया।